राधा कमल मुकर्जी : चिन्तन परम्परा

वर्ष 9 अंक 1 जनवरी-जून 2007

1. **राजा राम मोहन राय की सामाजिक-ऐतिहासिक भूमिका** - डॉ. गौरीशंकर भट्ट, अवकाश प्राप्त अध्यक्ष, समाजशास्त्र, डी.ए.वी. कालेज, देहरादून (उत्तराखण्ड)
2. **आंगनबाड़ी केन्द्र : हरियाणा के एक गांव का अध्ययन** - प्रोफेसर एस.सी. अरोड़ा, प्रोफेसर लोकप्रशासन विभाग, एम.डी. विश्वविद्यालय, रोहतक एवं स्वीटी, शोध अध्येत्री, एम.डी. विश्वविद्यालय, रोहतक (हरियाणा)
3. **अन्तः पारिवारिक सम्बन्धों के परिप्रेक्ष्य में वृद्ध महिलाओं की स्थिति** - डॉ. इन्दू पाठक, रीडर समाजशास्त्र विभाग, कुमायूं विश्वविद्यालय, नैनीताल एवं डॉ. सीमा पाण्डेय, समाजशास्त्र विभाग, कुमायूं विश्वविद्यालय, नैनीताल (उत्तराखण्ड)
4. **समकालीन समाज में छात्राओं की धार्मिक व सांस्कृतिक अभिवृत्तियां : एक अनुभवजन्य अध्ययन** - डॉ. आभा सक्सेना, उपाचार्या समाजशास्त्र विभाग, श्री अग्रसेन कन्या स्वायत्तशासी पी.जी. कालेज, वाराणसी (उ.प्र.)
5. **युवाओं में मद्यपान की प्रवृत्ति** - डॉ. गीताली पडियार, उपाचार्या समाजशास्त्र विभाग, हे.न.ब. गढ़वाल विश्वविद्यालय, स्वामी रामतीर्थि परिसर, बादशाही थौल, टिहरी गढ़वाल एवं कु. विजय लक्ष्मी रतूड़ी, शोध अध्येत्री, हे.न.ब. गढ़वाल विश्वविद्यालय, बादशाही थौल, टिहरी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)
6. **जनाक्रोश में पुलिस की भूमिका** - डॉ. निरंकार प्रसाद श्रीवास्तव, रीडर एवं अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, डी.ए.बी. पी.जी. कालेज, आजमगढ़ (उ.प्र.)
7. **सामाजिक मूल्यों का संकट - उपाय तथा रोकथाम** - डॉ. एस.एस. भदौरिया, प्रोफेसर एम.फिल. समाजशास्त्र अध्ययन केन्द्र, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर एवं डॉ. मोनिका सिंह, मेडिको-सोशल वर्कर गजरा राजा चिकित्सा महाविद्यालय एवं हॉस्पिटल ग्वालियर (म.प्र.)
8. **अशौच या अपवित्रता के क्रम में अस्पृश्यता** - सी.एल. सोनकर, शोध अध्येता, अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद (उपजिलाधिकारी कौशाम्बी) (उ.प्र.)
9. **उपभोक्ता विज्ञापन : एक विश्लेषण** - श्रीमती निमिषा, शोध अध्येत्री, वाणिज्य, उदय प्रताप, स्वायत्तशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, वाराणसी (उ.प्र.)
10. **डॉ. अम्बेडकर के धर्म सम्बन्धी विचार और वर्तमान में उनकी प्रासंगिकता** - डॉ. वीणा शुक्ला, सहायक अध्यापक समाजशास्त्र, शासकीय एम.एल.बी. उत्कृष्ट महाविद्यालय, ग्वालियर एवं डॉ. रमेश उपाध्याय, सहायक प्राध यापक वाणिज्य, शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वयत्तशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)
11. **वैदिक साहित्य में वनस्पति संरक्षण** - डॉ. कमलेश दुबे, प्रवक्ता प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कालेज वाराणसी एवं श्रीमती मृदुला चौधरी, शोध सहयोगी, श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कालेज, वाराणसी (उ.प्र.)
12. **उत्तर प्रदेश वित्तीय निगम की उपलब्धियां** - डॉ. अविनाथ सिंह सेंगर, अंशकालिक प्रवक्ता वाणिज्य, ब्रह्मावर्त पी.जी. कालेज, मंघना, कानपुर एवं डॉ. जी. के. गुप्ता, रीडर वाणिज्य विभाग, ए.के. कालेज, शिकोहाबाद (उ.प्र.)
13. **पिछड़ी जातियों में शक्ति संरचना एवं नेतृत्व के उभरते प्रतिमान** - डॉ. राकेश यादव, प्रवक्ता, समाजशास्त्र, डी.ए.वी. पी.जी. कालेज, आजमगढ़ (उ.प्र.)
14. **मृत्यु दण्ड के सम्बन्ध में कैदियों का दृष्टिकोण** - डॉ. संजय कुमार दुबे, शोध अध्येता, समाजशास्त्र, डी. ए.बी. पी.जी. कालेज, आजमगढ़ (उ.प्र.)
15. **आधी आबादी का बढ़ता असंतुलन** - डॉ. भावना, अंशकालिक प्रवक्ता, समाजशास्त्र, श्री अग्रसेन कन्या स्वशासी पी.जी. कालेज, वाराणसी (उ.प्र.)

16. **पुस्तक समीक्षा ''मुस्लिम विवाह : सिद्धान्त और व्यवहार''** लेखक- डॉ. जकिया रफत - समीक्षक - प्रोफेसर ए.एल. श्रीवास्तव, पूर्व विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी (उ.प्र.)
17. **पुस्तक समीखा ''डाटा कलेक्शन एण्ड एनेलाइसिस'' लेखक** -प्रोफेसर जसपाल सिंह - समीक्षक- प्रोफेसर जे.पी. पचौरी, अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग एवं संकायाध्यक्ष, कला हे.न.ब. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (उत्तराखण्ड)